भाजपा ने किया सभी 37 सीटों पर जिला प्रमुख चुनाव लड़ने का ऐलान

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। पंचायत चुनावों में भाजपा के अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन के बाद प्रदेश संगठन में चल रहे सियासी मंथन के बीच भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने जिला प्रमुख चुनाव को लेकर पार्टी की रणनीति स्पष्ट कर दी है। उन्होंने कहा कि भाजपा प्रदेश के सभी 37 जिलों में जिला प्रमुख का चुनाव लडेगी। पार्टी किसी भी स्थान पर चुनावी मैदान नहीं छोड़ेगी, और अपने दम पर मुकाबला करेगी।

चुनाव में हार के जिम्मेदारों पर कार्रवाई के सवाल पर मदन राठौड़ ने साफ कहा कि जवाबदेही तय करने में कोई नहीं बचेगा, वे खुद भी नहीं। चुनाव हर परिस्थिति में लड़ना पार्टी का दायित्व है, हम कोई भी स्थान क्यों छोड़े, सभी जिलों में चुनाव लडेंगे और जो भी परिस्थितियां सामने आएंगी, उनका मुकाबला करेंगे। पंचायत चुनाव में पार्टी के प्रदर्शन की समीक्षा के बाद जिला प्रभारियों पर कार्रवाई के सवाल पर उन्होंने कहा कि हम भी बचे हुए नहीं हैं, सब पर कार्रवाई होगी। उनके इस बयान को प्रदेश भाजपा में जिम्मेदारी तय करने और संगठनात्मक स्तर पर संभावित बदलाव के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

- **सत्ता और संगठन में फेरबदल को लेकर पूछे गए सवाल पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि "हमारा काम है कि जिस मोर्चे पर सैनिक को भेजा जाए, वह वहां अपना दायित्व निभाए। किसे किस मोर्चे पर भेजना है, यह सेनापति का काम है।"**
- **हॉर्स ट्रेडिंग के आरोपों पर मदन राठौड़ ने कहा "हॉर्स ट्रेडिंग तो अशोक गहलोत करते हैं। कांग्रेस के नेता हमेशा खरीद-फरोख्त करते आए हैं। गहलोत जब मुख्यमंत्री बने थे, तब उनकी सरकार अल्पमत में थी। उस समय बसपा विधायकों और निर्दलीय विधायकों का समर्थन हासिल किया गया था।"**

सत्ता और संगठन में फेरबदल को लेकर पूछे गए सवाल पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि हमारा काम है कि जिस मोर्चे पर सैनिक को भेजा जाए, वह वहां अपना दायित्व निभाए। किसे किस मोर्चे पर भेजना है, यह सेनापति का काम है। उनके इस बयान से संगठन में संभावित बदलाव को लेकर चल रही चर्चाओं को और हवा मिली है।

कांग्रेस नेताओं की ओर से जिला परिषद सदस्यों की खरीद-फरोख्त की आशंका जताने पर राठौड़ ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और कांग्रेस पर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि हॉर्स ट्रेडिंग तो अशोक गहलोत करते हैं। कांग्रेस के नेता हमेशा खरीद-फरोख्त करते आए हैं। गहलोत जब मुख्यमंत्री बने थे, तब उनकी सरकार अल्पमत में थी। उस समय बसपा विधायकों और निर्दलीय विधायकों का समर्थन हासिल किया गया था।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने सचिन पायलट की बगावत के दौरान विधायकों को होटलों में ठहराने की घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय विधायकों पर दबाव बनाने और उन्हें लालच देने के प्रयास किए गए थे। हॉर्स ट्रेडिंग में कांग्रेस के नेता माहिर हैं, भाजपा ने तो जनादेश को स्वीकार किया है। पंचायत चुनाव परिणामों के बाद केंद्रीय नेतृत्व की ओर से बुलाए जाने के सवाल पर राठौड़ ने कहा कि उन्हें अभी तक दिल्ली से कोई आमंत्रण नहीं मिला है। हालांकि केंद्रीय नेतृत्व कभी भी किसी को भी बुला सकता है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा पर तंज कसते हुए राठौड़ ने कहा कि डोटासरा बिना गेंद के फुटबॉल खेलते रहते हैं। थोड़ा परिणाम पक्ष में क्या आ गया, अपनी भुजाएं फड़काने लगते हैं।

उन्होंने कांग्रेस के ईवीएम संबंधी रुख पर सवाल उठाते हुए कहा कि कांग्रेस हारने पर ईवीएम को खराब बताती है, जबकि जीतने पर उसी ईवीएम को सही मानती है। संवैधानिक संस्थाओं और चुनाव प्रक्रिया पर इस तरह सवाल उठाना कांग्रेस का दोहरा चरित्र दर्शाता है।

400 करोड़ की "ई-स्क्रिप" चोरी मामले में 9 महीने से फरार आरोपी गुजरात से गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट के साइबर थाना पुलिस ने करीब 400 करोड़ रुपए की "ई-स्क्रिप" चोरी और धोखाधड़ी के मामले में नौ महीने से फरार चल रहे एक आरोपी को गुजरात से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान ज्ञान रंजन स्वान के रूप में हुई है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर चोरी की गई "ई-स्क्रिप" के हस्तांतरण, बिक्री और इस पूरे नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों के संबंध में जानकारी जुटा रही है।



आरोपी ज्ञान रंजन

स्पेशल पुलिस कमिश्नर ओमप्रकाश पासवान के अनुसार आरोपी मुख्य अभियुक्तों के साथ मिलकर चोरी की गई "ई-स्क्रिप" को अपने "आईस गेट" खाते में ट्रांसफर करवाता था। भारतीय सीमा शुल्क विभाग के द्वारा 'आईस गेट अकाण्डट' बनाया जाता है जिसमें आयात-निर्यात कस्टम, ब्रोकर से जुड़े दस्तावेज, बिल, ड्यूटी भुगतान और रिफण्ड मिलता है। आरोपी इन स्क्रिप को आयातकों को बेच दिया जाता था। बिक्री से मिलने वाली रकम आरोपी मुख्य अभियुक्तों के साथ आपस में बांट लेते थे। साइबर थाना पुलिस पिछले 9 महीने से आरोपी की तलाश में जुटी थी। आखिरकार विशेष टीम ने गुजरात में दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी में सहायक उप निरीक्षक (साइबर कमांडो) ओमप्रकाश और कांस्टेबल शिवकुमार की अहम भूमिका रही।

पुलिस ने इस साइबर घोटाले का खुलासा करते हुए अप्रैल 2026 में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इनमें जोधपुर निवासी सुल्तान खान, नंदकिशोर, अशोक कुमार भंडारी और प्रमोद खत्री तथा पाली निवासी निर्मल सोनी शामिल थे। इनमें से चार आरोपी फर्जी डिजिटल हस्ताक्षर तैयार करने का काम करते थे। जांच में सामने आया था कि आरोपियों ने विदेश व्यापार महानिदेशालय के पोर्टल पर देशभर की 400 से अधिक कंपनियों के निदेशकों की प्रोफाइल में बदलाव कर करोड़ों रुपए की धोखाधड़ी की। आरोपियों ने 400 से अधिक फर्जी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र तैयार किए थे। पुलिस जांच में एक डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से करीब 93 लाख रुपए की धोखाधड़ी का मामला सामने आया था। पुलिस के अनुसार, प्रत्येक खाते से औसतन करीब एक करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की गई, जिससे कुल घोटाले की राशि करीब 400 करोड़ रुपए आंकी गई। पुलिस के अनुसार आरोपी फर्जी आधार और पैन कार्ड के आधार पर डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र तैयार करवाते थे। इसके बाद विदेश व्यापार महानिदेशालय पोर्टल पर कंपनियों के निदेशकों की प्रोफाइल बदलकर नई आईडी बनाई जाती थी। इस प्रक्रिया के जरिए निर्यातकों के खातों में जमा छूट की राशि को ऑनलाइन फर्जी म्यूल खातों में ट्रांसफर किया जाता था। बाद में इस राशि को अन्य लोगों के माध्यम से बेचकर नकदी हासिल की जाती थी। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

चुनाव में खरीद-फरोख्त की कोशिशें लोकतंत्र के लिए चिंताजनक : जूली

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि प्रदेश में भाजपा सरकार के खिलाफ जनता में व्याप्त नाराजगी अब इस सरकार के जाने के बाद ही खत्म होगी। भाजपा नेतृत्व मुख्यमंत्री बदलकर सत्ता विरोधी माहौल को खत्म करने का सपना देख रहा है, लेकिन उसे समझ लेना चाहिए कि मुख्यमंत्री ही नहीं, पूरा मंत्रिमंडल बदल देने के बावजूद प्रदेश की जनता भाजपा को माफ करने वाली नहीं है।

जूली ने मंगलवार को पत्रकार बंधुओं से बातचीत करते हुए कहा कि राजस्थान में अब केवल चेहरा नहीं, राज बदलेगा। भाजपा नेतृत्व यदि यह मान रहा है कि मुख्यमंत्री बदलने से चुनावी हार के असर को खत्म किया जा सकता है तो यह उसकी बड़ी भूल है।

प्रदेश की जनता सरकार के दो वर्षों के कामकाज को देख रही है। भ्रष्टाचार पर कोई प्रभावी अंकुश नहीं है, अपराध लगातार चिंता का विषय बने हुए हैं और आमजन अपनी समस्याओं को लेकर परेशान है। जनता के बीच भाजपा के प्रति नाराजगी इतनी गहरी हो चुकी है कि अब लोग कहने लगे हैं कि कमल का फूल हमारी भूल।

जूली ने जिला प्रमुख एवं पंचायत समिति प्रधान पदों के चुनाव को लेकर कहा कि कुछ स्थानों पर भाजपा वही हथकंडे अपना रही है, जो उसने निकाय चुनावों के दौरान आजमाए थे। जहां किसी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलता और निर्दलीय या अन्य दलों के समर्थन से जिला प्रमुख अथवा प्रधान चुना जाता है, वहां किसी को आपत्ति नहीं हो सकती। यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है। लेकिन जहां दबाव, जबरदस्ती और कथित खरीद-फरोख्त के जरिए जनादेश को प्रभावित करने की कोशिश की जाती है, वहां यह लोकतंत्र की मूल भावना के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि जनता ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर जनप्रतिनिधियों को चुना है। उनके फैसले का सम्मान होना चाहिए। सत्ता के दबाव या अन्य प्रलोभनों के जरिए निर्वाचित प्रतिनिधियों की स्वतंत्रता को प्रभावित करना लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा के अनुरूप नहीं है। भाजपा को समझना चाहिए कि लोकतंत्र में सत्ता का आधार जनादेश होता है, न कि जोड़-तोड़ और दबाव की राजनीति।

राज्यपाल ने गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष मत्था टेका



राज्यपाल हरिभाऊ बागडे गुरुनानक जयंती, प्रकाश पर्व पर जयपुर स्थित गुरुद्वारे में आयोजित विशेष शबद कीर्तन समागम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष मत्था टेका और गुरबाणी सुनते हुए इसे भारतीय धर्म और अध्यात्म परंपरा की अनुपम दृष्टि बताया। बागडे ने गुरु नानक की शिक्षाओं का स्मरण करते हुए अपने किरत करो, नाम जपो, वंड छको के सिद्धांतों का अधिकाधिक प्रसार करने का आव्हान किया।

राजस्थान में 6000 मेगावाट-ऑवर बैटरी भंडारण परियोजनाएं नवंबर 2027 तक पूरी होंगी

जयपुर (कासं)। राजस्थान में 6000 मेगावाट-ऑवर क्षमता की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) परियोजनाओं की प्रगति को लेकर ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने विद्युत भवन में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। उन्होंने सभी परियोजनाओं को दिसंबर 2026 से नवंबर 2027 के बीच निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि समय पर काम पूरा नहीं करने वाले डेवलपर्स के खिलाफ कडी कार्रवाई की जाएगी।

- **ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने डवलपर्स को समयबद्ध काम के निर्देश दिए**
- **देरी होने पर होगी सख्त कार्रवाई**
- **गिरल और सूरतगढ़ की परियोजनाएं दिसंबर 2026 तक पूरी करें : ऊर्जा मंत्री**



ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने अधिकारियों की बैठक लेकर राजस्थान में 6000 मेगावाट-ऑवर क्षमता की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली प्रोजेक्ट पर चर्चा की।

बैठक में ऊर्जा विभाग, राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम तथा एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम द्वारा चयनित बीईएसएस डेवलपर्स के प्रतिनिधि शामिल हुए। परियोजनाओं की समय-सीमा, निर्माण कार्य, भूमि उपलब्धता, ग्रिड कनेक्टिविटी और आवश्यक स्वीकृतियों की समीक्षा की गई। मंत्री ने जेएसडब्ल्यू को गिरल और सूरतगढ़ में स्थापित की जा रही 250 मेगावाट-ऑवर क्षमता की परियोजनाएं दिसंबर 2026 तक पूरी करने के निर्देश दिए। उत्पादन निगम के अधिकारियों को सभी परियोजनाओं की नियमित निगरानी करने को कहा। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दिशा-निर्देशन में राजस्थान को ग्रीन एनर्जी हब बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। बीईएसएस परियोजनाएं नवीकरणीय ऊर्जा के बेहतर उपयोग, ग्रिड की स्थिरता और विश्वसनीय विद्युत आपूर्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। इनसे बिजली की अधिक मांग के समय सस्ती बिजली भी उपलब्ध हो सकेगी।

उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार की वायबिलिटी गैप फंडिंग (वीजीएफ) और पीएसडीएफ योजनाओं के तहत 6000 मेगावाट-ऑवर क्षमता के कार्यादेश जारी किए गए हैं। इनमें राज्य घटक के तहत 1000, केंद्रीय घटक के तहत 1000 तथा पीएसडीएफ योजना के तहत 4000 मेगावाट-ऑवर की परियोजनाएं शामिल हैं। इन परियोजनाओं के लिए 1.77 लाख से 2.85 लाख रुपए प्रति मेगावाट प्रति माह की दर प्राप्त हुई है। बैठक में राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक रोहित गुप्ता, राजस्थान ऊर्जा विकास निगम के प्रबंध निदेशक शिव प्रसाद नकाते, ऊर्जा सलाहकार नवीन अरोड़ा, राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक देवेंद्र श्रृंगी सहित वरिष्ठ अधिकारी और विभिन्न डेवलपर कंपनियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इनमें जेएसडब्ल्यू लियो एनर्जी, सोलर वर्ल्ड एनर्जी सॉल्यूशंस, ओरियाना पावर, रेज पावर एक्सपर्ट्स, सोलर91 क्लीनटेक, इनॉक्स रिन्यूएबल सॉल्यूशंस और पतंजलि रिन्यूएबल एनर्जी सहित अन्य कंपनियां शामिल थीं।

पैनल वकीलों की नियुक्ति में पक्षपात बताकर हाईकोर्ट ने मुख्य सचिव को आदेश भेजा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड से जुडे मामले में पैनल वकीलों की नियुक्ति में पक्षपात बताकर आदेश की कॉपी मुख्य सचिव को भेजी है।

अदालत ने मुख्य सचिव को कहा कि नौकरशाही के प्रमुख होने के चलते उन्हें इस बात की जानकारी होनी चाहिए कि डिस्कॉम में पैनल वकीलों की नियुक्ति को लेकर क्या हो रहा है। वहीं अदालत ने कहा कि यदि निगम आठ सप्ताह में निचली अदालत में पांच लाख रुपए जमा करा देता है तो निचली अदालत के गत 3 अगस्त के आदेश के तहत शेष राशि की वसूली पर आगामी सुनवाई तक रोक रहेगी। जस्टिस अशोक कुमार जैन की एकलपीठ ने यह आदेश अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड की अपील पर दिए।

- **अदालत ने मुख्य सचिव को कहा कि, नौकरशाही के प्रमुख होने के चलते उन्हें इस बात की जानकारी होनी चाहिए कि डिस्कॉम में पैनल वकीलों की नियुक्ति को लेकर क्या हो रहा है?**

अदालत ने कहा कि अधिवक्ताओं की पैनल में नियुक्ति के दौरान वरिष्ठता और अनुभव को नजरअंदाज किया जा रहा है। यह स्थिति पक्षपात और भाई-भतीजावाद को दर्शाती है। अदालत ने कहा कि मामले के कानूनी बिंदु के संबंध में सुप्रीम कोर्ट की ओर से दिए आदेश को भी अपील में नहीं उठाया गया।

अदालत ने कहा कि निचली अदालत में घातक दुर्घटना अधिनियम की धारा 1 ए के तहत दावा पेश किया गया था, जबकि अदालत ने मोटर वाहन अधिनियम के तहत गुणक विधि और भविष्य की संभावना के आधार पर राशि तय की है।

अदालत ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट हाल ही में एक मामले में तय कर चुका है कि घातक दुर्घटना के मामलों और करंट से मौत के मामले में राशि की गणना में गुणक पद्धित नहीं अपनाने को कहा है, लेकिन निगम के वकील ने इसे अपील में आधार ही नहीं बनाया। जिससे साबित है कि वकील पूरी तैयारी से नहीं आ रहे हैं।

मामले के अनुसार मुनेश कंवर ने बिजली के करंट से मौत के मामले में झुंझुनूं के अतिरिक्त जिला न्यायालय में दावा किया था। जिसमें अदालत ने गत तीन अगस्त को अवार्ड पारित कर मुआवजा राशि तय की थी। इस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा गया कि निचली अदालत ने मुआवजे की गणना में गलत पद्धित अपनाई है। वहीं मृतक की उम्र 45 और उसकी मां की उम्र 50 साल बताई गई है, जो कि असंभव है।

केनरा बैंक के एटीएम में चोरी का प्रयास

जयपुर। जयपुर के कोटखावदा थाना क्षेत्र के गरुडवासी गांव में अज्ञात बदमाशों ने केनरा बैंक के एटीएम में चोरी का प्रयास किया। बदमाशों ने एटीएम का शटर तोड़कर अंदर प्रवेश किया और वारदात को अंजाम देने से पहले वहां लगे सीसीटीवी कैमरों को भी तोड़ दिया। इसके बाद गैस कटर की मदद से एटीएम मशीन को नुकसान पहुंचाकर नकदी निकालने की कोशिश की।

जानकारी के अनुसार बदमाशों ने पहले एटीएम के शटर को तोड़ा और फिर अंदर लगे सीसीटीवी कैमरों को क्षितग्रस्त कर दिया। इसके बाद गैस कटर से मशीन को जलाकर नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया।

मतगणना में धांधली का आरोप लगाकर प्रत्याशी ने मोर्चा खोला

जयपुर। पंचायत समिति तूंगा की ग्राम पंचायत रोजवाडी में 16 नवंबर को हुए पंचायत चुनाव की मतगणना और परिणाम घोषित करने की प्रक्रिया पर सवाल उठे हैं। चुनाव में प्रत्याशी रहीं सोनू देवी ने मतदान से लेकर मतगणना तक कई गंभीर अनियमितताओं के आरोप लगाते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी से निष्पक्ष जांच की मांग की है। उनका आरोप है कि मतदान के दौरान मतपेटी खुली मिली, मतगणना के समय मतदान कक्ष की बिजली काट दी गई और आपत्तियों के बावजूद पुनर्मतगणना कराए बिना परिणाम घोषित कर दिया गया।

प्रत्याशी सोनू देवी के अनुसार मतदान के दौरान मतपेटी खुली हुई मिली थी। इस संबंध में प्रत्याशियों ने मौके पर मौजूद निर्वाचन अधिकारी को शिकायत दी थी। उनका कहना है कि अधिकारी ने भी मतपेटी खुली होने की बात देखी और घटना को रिकॉर्ड पर लेने का आश्वासन दिया था, ताकि आवश्यकता पड़ने पर दोबारा मतदान कराया जा सके। इसके बावजूद न तो घटना को आधिकारिक रिकॉर्ड में दर्ज किया गया और न ही नियमानुसार कार्रवाई की गई।

- **जिला निर्वाचन अधिकारी से शिकायत भी की**

प्रत्याशी ने आरोप लगाया कि मतगणना के दौरान कुछ समय के लिए मतदान कक्ष की बिजली काट दी गई। उन्हें आशंका है कि इसी दौरान मतगणना में गड़बड़ी की गई। मतदान केंद्र पर सीसीटीवी कैमरे लगे होने के बावजूद उनकी रिकॉर्डिंग नहीं दिखाई गई। सोनू देवी ने बार-बार सीसीटीवी फुटेज दिखाने और पुनर्मतगणना कराने की मांग की, लेकिन अधिकारियों ने उनकी मांग पर ध्यान नहीं दिया। उन्होंने मतगणना के दौरान कई बार पुनर्मतगणना कराने की मांग की और सीसीटीवी फुटेज दिखाने को कहा, लेकिन उनकी आपत्तियों को अनसुना कर दिया गया। उनका आरोप है कि अधिकारियों ने उन पर हस्ताक्षर करने का दबाव बनाया और कहा कि हस्ताक्षर तो करने ही पड़ेंगे, बाद में मतगणना होती रहेगी। इसके बाद उनकी असहमति के बावजूद परिणाम घोषित कर दिया गया।

कांग्रेस में जिला प्रमुख उम्मीदवारों के नाम लगभग तय हुए, परंतु घोषणा नहीं

प्रदेश भाजपा की ओर से सभी 37 जिलों में चुनाव लड़ने की घोषणा के बाद प्रदेश कांग्रेस ने उम्मीदवारों के नाम गोपनीय रखे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश भाजपा की ओर से प्रदेश में सभी 37 जिलों में जिला प्रमुख का चुनाव लड़ने की घोषणा के बाद प्रदेश कांग्रेस के रणनीतिकार जिला प्रमुख के उम्मीदवार का नाम निर्धारित करने में फूंक-फूंक कर कदम आगे बढ़ा रहे हैं। बताया जा रहा है कि प्रदेश कांग्रेस ने मंगलवार रात तक लगभग उम्मीदवारों के नाम तय कर लिए, लेकिन उनके नामों की घोषणा नहीं की गई है। इन नामों पर से पर्दा बुधवार सुबह 10 बजे नामांकन के समय ही उठ पाएगा।

ज्ञात रहे कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा पिछले कुछ दिनों से लगातार जयपुर में अपने सरकारी आवास और प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में बैठकर प्रदेश भर के पार्टी की ओर से नियुक्त किए गए जिला पर्यवेक्षक, पार्टी के जिला अध्यक्ष, पार्टी के जनप्रतिनिधियों और जिला स्तर पर मौजूद पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से लगातार जिला प्रमुख पद के उम्मीदवार के लिए चर्चा करके आवश्यक फीडबैक ले रहे हैं, जिसमें जानकारी मिली है कि प्रदेश कांग्रेस ने कई जिला परिषदों में जिला प्रमुख के उम्मीदवार के लिए करीब-करीब नाम निर्धारित कर लिए हैं, सिर्फ कुछ ही जिला परिषद बाकी है, जहां जिला प्रमुख के उम्मीदवार के नाम को लेकर कांग्रेस के नेताओं में मंथन का दौरा जारी है, लेकिन कांग्रेस पार्टी जिला प्रमुख पद के उम्मीदवारों के नाम का ऐलान फिलहाल सार्वजनिक करने के मूड में नहीं दिख रही है, आज सुबह करीब 10 बजे जब जिला प्रमुख पद के लिए प्रदेश में विभिन्न जिलों में नामांकन की प्रक्रिया शुरू होगी, तभी उम्मीदवारों के नाम से पर्दा उठ पाएगा।

- **कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक, जयपुर जिला परिषद के लिए युवक कांग्रेस के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष यशवीर सिंह सूरा का नाम बताया जा रहा है, जिन्होंने अशोक तंवर को चुनाव में हराया था। इसी तरह बीकानेर में कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे दिवंगत रामेश्वर डूडी की पुत्रवधू निकिता डूडी तथा सीकर में सुनीता गठाला, हनुमानगढ़ में रेनू जांगू, फलौदी में कुंभ सिंह पातावत, चित्तौड़गढ़ में रतनी देवीजगपुरा, प्रतापगढ़ में इंदिरा मीणा, धौलपुर में अनीशा सिंह का नाम जिला प्रमुख पद के लिए करीब करीब तय माना जा रहा है।**

जानकारी के अनुसार प्रदेश कांग्रेस की ओर से जिन जिला परिषदों में करीब-करीब जिला प्रमुख पद के उम्मीदवार के लिए नाम निर्धारित कर दिए गए हैं, उनमें जयपुर जिला परिषद के लिए यशवीर सिंह सूरा का नाम बताया जा रहा है, जिन्होंने अशोक तंवर को चुनाव में हराया था।

यशवीर सिंह पूर्व में युवक कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष रह चुके हैं और इन्हें पार्टी के संगठन के कामकाज का भी अच्छा अनुभव है।

इसी तरह से बीकानेर में कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे दिवंगत रामेश्वर डूडी की पुत्रवधू निकिता डूडी को उम्मीदवार बनाए जाने का निर्णय करीब करीब ले लिया गया है, इसी तरह से सीकर में सुनीता गठाला, हनुमानगढ़ में रेनू जांगू, फलौदी में कुंभ सिंह पातावत, चित्तौड़गढ़ में रतनी देवीजगपुरा, प्रतापगढ़ में इंदिरा मीणा, धौलपुर में अनीशा सिंह का नाम जिला प्रमुख पद के लिए करीब करीब तय कर लिया गया है।

पार्टी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार प्रदेश कांग्रेस के रणनीतिकार जिला प्रमुख पद के चयन के संदर्भ में इस बात का भी पूरा ख्याल रख रहे हैं कि उम्मीदवारों के नाम का ऐलान होने के बाद पार्टी के वार्ड मेंबरों में नाराजगी नहीं हो, और सभी वार्ड मेंबर पार्टी के उम्मीदवार के पक्ष में वोट करें, क्योंकि भाजपा ने जिस तरह से 37 जिला परिषदों में चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है, उसे देखते हुए प्रदेश कांग्रेस के रणनीतिकार यह सोच रहे हैं कि अगर कांग्रेस पार्टी की और से उम्मीदवारों के नाम का ऐलान करने के बाद अगर कहीं पर भी पार्टी के वार्ड मेंबरों में नाराजगी होगी तो उसका फायदा उठाने में बीजेपी पीछे नहीं हटेगी, इसीलिए प्रदेश कांग्रेस के रणनीतिकार काफी सोच विचार करके और सामूहिक सहमति बनाकर ही हर जिला परिषद में ऐसे उम्मीदवार का नाम निर्धारित कर रहे हैं, जिसको लेकर पार्टी के वार्ड मेंबरों में नाराजगी नहीं हो।जानकारी के अनुसार प्रदेश कांग्रेस के नेतृत्व ने भरतपुर और डीग में कांग्रेस पार्टी के वार्ड पार्षदों के बिखराव की स्थिति के बाद प्रदेश में उन सभी जिला परिषदों में जहां कांग्रेस पार्टी को स्पष्ट बहुमत मिला है, वहां पार्टी के जिलों के जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ नेताओं और पार्टी के जिला अध्यक्ष को अंतिम समय तक पार्टी के वार्ड मेंबरों के साथ लगातार संवाद करके उन्हें एकजुट बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि विरोधी दलों को कांग्रेस पार्टी के वार्ड मेंबरों को तोड़ने का अवसर न मिल सके।

जानकारी के अनुसार प्रदेश कांग्रेस उन जिला परिषदों में भी जहां पर किसी भी राजनीतिक दल को स्पष्ट बहुमत नहीं है, लेकिन कांग्रेस पार्टी सबसे ज्यादा सीट लेकर पहले नंबर पर है, वहां भारत आदिवासी पार्टी, निर्दलीय और अन्य राजनीतिक दलों के पार्षदों का सहयोग लेने का प्रयास कर रही है, ताकि पार्टी का बोर्ड बनाया जा सके।

जिला प्रमुख चुनाव में कांग्रेस और भारत आदिवासी पार्टी का हो सकता है गठबंधन!

जयपुर । प्रदेश में जिला प्रमुख के चुनाव में कांग्रेस और भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) के बीच आपस में गठबंधन होने की संभावना है, हालांकि भाजपा भी बीएपी के नेताओं के संपर्क में है, लेकिन बीएपी ने अभी तक अपने पत्ते नहीं खोले हैं, हालांकि डूंगरपुर में कांग्रेस पार्टी के जिला पर्यवेक्षक और वरिष्ठ नेता रफीक खान, कांग्रेस के विधायक गणेश घोघरा तथा कांग्रेस पार्टी के कुछ अन्य क्षेत्रीय वरिष्ठ नेताओं के साथ भारत आदिवासी पार्टी के बड़े लीडर मोहनलाल रौत और शांतिलाल रोत के साथ सर्किट हाउस में एक बड़ी बैठक होने की जानकारी मिली है, बैठक म कांग्रेस पार्टी के नेता भारत आदिवासी पार्टी के साथ गठबंधन करने के विषय पर गंभीरता से चर्चा कर रहे हैं, ताकि बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़ और सलूंबर में भारतीय जनता पार्टी को अपना जिला प्रमुख बनाए जाने से रोका जा सके। इन सभी जिलों में किसी भी राजनीतिक दल को पूरा बहुमत नहीं मिला है इनमें कहीं पर कांग्रेस पार्टी पहले नंबर पर है, तो कहीं पर भाजपा, तो कहीं पर भारत आदिवासी पार्टी को भी अच्छी सीट मिली है, इन सभी जिलों में भारत आदिवासी पार्टी किंग मेकर के रूप में अपनी भूमिका निभा सकती है, इसीलिए कांग्रेस और भाजपा दोनों ही दलों के नेताओं के साथ भारत आदिवासी पार्टी के नेताओं की लगातार मीटिंग हो रही है, अब देखने वाली बात यह है कि भारत आदिवासी पार्टी कांग्रेस के साथ जुड़ेगी या फिर भाजपा के साथ।

- **डूंगरपुर में दोनों ही दलों के बड़े नेताओं की बैठक हुई**

हालांकि भारत आदिवासी पार्टी के विधायक जय कृष्णा पटेल ने अपनी पार्टी का जिला प्रमुख बनाने की बात कही है, पटेल ने बांसवाड़ा में अपनी पार्टी का जिला प्रमुख बनाने की बात कही है तो दूसरी तरफ डूंगरपुर में भाजपा और भारत आदिवासी पार्टी दोनों में प्रत्येक को 14-14 सीट पर जीत मिली है इसलिए डूंगरपुर में भी भारत आदिवासी पार्टी अगर भारतीय जनता पार्टी से गठजोड़ करती है तो यहां भी अपनी पार्टी का जिला प्रमुख बनाने का दावा कर सकती है। फिलहाल राजनीतिक विश्लेषकों का भी कहना है कि भारत आदिवासी पार्टी के नेता काफी सोच समझकर कदम उठाएंगे, भारत आदिवासी पार्टी के नेता काफी महत्वाकांक्षी प्रवृत्ति के हैं, और सभी नेता अपनी पार्टी की जड़ों को मजबूत करने के लिए भी हमेशा गंभीर रहे हैं, इसलिए कांग्रेस और भाजपा दोनों राजनीतिक दलों में से किस पार्टी के साथ गठबंधन करने से उन्हें फायदा होगा, इस विषय पर भी गंभीरता से मनन कर रहे है।